भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 790

07 फरवरी, 2024 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्र

790. श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश के विभिन्न इस्पात संयंत्रों के कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के लिए उनका आधुनिकीकरण करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान देश में कुल कितने इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण किया गया है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)

(क) और (ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के नाते, देश में विभिन्न इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण संबंधी निर्णय इस्पात कंपनियों द्वारा वाणिज्यिक व्यवहार्यताओं और बाजार की परिस्थितियों के आधार पर लिए जाते हैं। सरकार की भूमिका देश में इस्पात क्षेत्र की दक्षता में सुधार के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने हेतु नीतिगत दिशानिर्देश तैयार करने और संस्थागत प्रणाली/अवसंरचना की स्थापना करके इस्पात उद्योग को सहायता प्रदान करने की है।

(ग): इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां नामत: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने वर्ष 2006-07 से 2018-19 के दौरान धीरे-धीरे अपने इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण पूर्ण किया है। इसमें भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखंड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) में सेल तथा विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) में आरआईएनएल के इस्पात संयंत्र शामिल हैं।

*****